बाह्य निवेश और परिचालन विभाग

I. कार्य

विभाग का मुख्य कार्य भारतीय रिज़र्व बैंक के विदेशी मुद्रा भंडार का प्रबंधन एवं निवेश है। इसमें निम्नलिखित कार्य शामिल हैं-:

- भारतीय रिज़र्व बैंक के विदेशी मुद्रा भंडार और स्वर्ण आस्तियों का प्रबंधन और निवेश
- भारत सरकार की ओर से अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) सहित विदेशी लेनदेनों का संचालन
- एशियाई समाशोधन संघ (एसीयू) के सदस्य के रूप में सभी प्रासंगिक कार्य
- स्वर्ण नीति, अंतरराष्ट्रीय निपटान बैंक (बीआईएस) के सदस्य के रूप में एवं अंतरराष्ट्रीय सहकार्य/व्यवस्थाओं से संबंधित प्रासंगिक कार्य

II. विदेशी मुद्रा भंडार प्रबंधन

1. उद्देश्य

सुरक्षा, तरलता और प्रतिलाभात्मक पहलुओं को ध्यान में रखकर (उस क्रम में) हमारे विदेशी मुद्रा भंडार का प्रबंधन किया जाता है ।

2. विधिक ढांचा और नीतिगत मार्गदर्शी सिद्धांत

भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम 1934 द्वारा विदेशी मुद्रा भंडार के प्रबंधन के लिए आवश्यक विधिक ढांचे का प्रावधान किया गया है । विशेषतः भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम 1934 की उपधारा 17(12),17(12ए),17(13) और 33(1) में विदेशी आस्तियों के निवेश संबंधी संभावनाओं को परिभाषित किया गया है। संक्षेप में स्थूल रूप से निम्नलिखित संवर्गों में निवेश की अनुमति है :

1. अन्य केंद्रीय बैंकों और अंतरराष्ट्रीय निपटान बैंक (बीआईएस) के साथ जमाएं
2. विदेशी वाणिज्य बैंकों के साथ जमाएं
3. सरकारी/गारंटीकृत सरकारी देयताओं संबंधी ऋण लिखत, जहां ऋण पत्रों के लिए अवशिष्ट परिपक्वता अवधि 10 वर्षों से अधिक न हो ।
4. भारतीय रिज़र्व बैंक के केंद्रीय बोर्ड द्वारा अनुमोदित अन्य लिखत/संस्थाएं

इसके अतिरिक्त भारतीय रिज़र्व बैंक ने विदेशी मुद्रा भंडार की सुरक्षा और तरलता बढ़ाने के उद्देश्य से जारीकर्ता / प्रतिपार्टियों / निवेश आदि के संबंध में कड़े मानदंड निर्धारित करते हुए उचित मार्गदर्शी सिद्धांत तैयार किए हैं।

3. प्रकटीकरण के संबंध में क्रॉस-कंट्री स्थिति

पारदर्शिता और प्रकटीकरण के संबंध में भारतीय रिज़र्व बैंक का दृष्टिकोण इस विषयक उत्तम अंतरराष्ट्रीय प्रणालियों के अनुरूप रहता है। भारतीय रिज़र्व बैंक विश्वभर की उन 64 केंद्रीय बैंकों में से एक है जिन्होंने विदेशी मुद्रा भंडार संबंधी विस्तृत आंकड़ों के प्रकटीकरण के लिए विशेष आंकड़ा प्रसार मानक (एसडीडीएस) टेम्प्लेट को अपनाया है। इस टेम्प्लेट में मुद्रा संरचना, निवेश का स्वरूप और वायदा कारोबार की स्थिति जैसे कई पैरामीटरों के संबंध में कुछ जानकारी उपलब्ध होती है। तथापि कई देश, जिनमें भारत भी शामिल है, मुद्रा संरचना संबंधी जानकारी प्रकट नहीं करते हैं। ये आंकड़े भारतीय रिज़र्व बैंक की वेबसाइट पर मासिक आधार पर उपलब्ध कराए जाते हैं । भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा विदेशी मुद्रा भंडार प्रबंधन पर एक छमाही रिपोर्ट भी प्रकाशित की जाती है जो बैंक की वेबसाइट www.rbi.org.in पर उपलब्ध है ।